अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 राजनीतिक दलों को आपराधिक छवि के लोगों को चुनावी मैदान में ...
6 हैदराबाद पर मुंबई इंडियंस की जीत CSK और LSG के लिए संजीवनी...
7 मेंटल हेल्थ को लेकर करवाया एक नेशनल सर्वे ...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 11 अंक-15 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 07 मई से 13 मई 2024 पृष्ठ-8 मूल्य -2

93 सीटों पर मतदान जारी, PM मोदी ने अहमदाबाद में किया मताधिकार का प्रयोग

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश की 93 सीटों पर मतदान हो रहा है। आज गुजरात की 25, उत्तर प्रदेश की 10, महाराष्ट्र की 11, कर्नाटक की 14 सीटों समेत कुल 93 सीटों पर मतदान हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मतदाताओं से रिकॉर्ड संख्या में मतदान करने की अपील की। इसके बाद पीएम ने अहमदाबाद के निशान हायर सेकेंडरी स्कूल में मताधिकार का प्रयोग किया। इसके अलावा गृह मंत्री अमित शाह भी गुजरात के अलग-अलग केंद्रों पर वोट डालेंगे।

झारखंड में खत्म हुई पैसों की गिनती, मिले इतने करोड़ रुपये; ईडी को मिले थे नोटों के अंबार

झारखंड में मिले नोटों के पहाड़ की गिनती अब खत्म हो चुकी है। ईडी के मुताबिक, इस गिनती के दौरान करोड़ों रुपये बरामद किए गए हैं। बता दें कि बीते दिन ईडी ने झारखंड में मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर 6 से अधिक जगहों पर छापेमारी की। ये छापेमारी सस्पेंड चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम और उनके करीबियों और नेताओं पर की गई थी।

मिले 35 करोड़ से अधिक रुपये

इस छापेमारी में झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल के घरेलू सहायक से भारी मात्रा में नकदी बरामद की गई। इसके बाद ईडी ने नोट गिनने के लिए बड़ी मशीन को मंगाई। बता दें कि मशीन के ज़रिए एक समय पर 4 नोट के बंडल को गिना जा सकता हैं। इसके अलावा 5 और छोटी नोट गिनने की मशीन मंगाई गई है, जो नोट गिनने का काम कर रही है। अब इन नोटों की गिनती पूरी कर ली गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, ईडी ने यहां से 35.23 करोड़ रुपये बरामद किए हैं। इन पैसों को ईडी ने सीज कर जब्त कर लिया है।

6 जगहों पर की गई थी छापेमारी

ईडी के एक अधिकारी ने बताया था कि रांची में 6 जगहों पर छापेमारी

चल रही है। झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल के घरेलू नौकर से बड़ी रकम बरामद की गई है। ईडी ने झारखंड के मंत्री और उनके सहयोगियों से जुड़े 6 परिसरों को कवर किया है। बता दें कि ये छापेमारी ईडी ने ग्रामीण विकास विभाग के चीफ इंजीनियर वीरेंद्र के. राम से जुड़े मामले में छापेमारी की है। फरवरी 2023 में चीफ इंजीनियर वीरेंद्र को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार कर लिया गया था।

जौनपुर में हम जिसे चाहेंगे, वही जीतेगा... पत्नी श्रीकला का बसपा से टिकट कटने पर बोले धनंजय सिंह

लखनऊ: उत्तर प्रदेश की जौनपुर लोकसभा सीट एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है। पूर्व सांसद और बाहुबली धनंजय सिंह के जीतेगा जौनपुर जीतेंगे हम चुनाव लड़ने के ऐलान करने के बाद जौनपुर सीट हॉट सीट बन गई थी। अब बसपा सुप्रीमो मायावती ने जौनपुर सीट से अपना उम्मीदवार बदल दिया है। बसपा ने पहले धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला रेड्डी को कैंडिडेट बनाया था। उधर बसपा से टिकट बदले जाने के बाद पूर्व धनंजय सिंह को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही है। दावा किया जा रहा है कि धनंजय सिंह ने दबाव में टिकट वापस कर दिया है। अब इस मामले में पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने श्रीकला को बसपा से टिकट मिलने और फिर कटने में साजिश होने की आशंका जाहिर करते हुए विरोधियों पर जोरदार हमला बोल दिया है। इसके साथ ही धनंजय ने कहा कि जिसको हम लोग चाहेंगे वही जौनपुर से सांसद बनेगा, यह तय है।

धनंजय सिंह को साजिश की आशंका

पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने कहा कि श्रीकला को बसपा से टिकट मिलने में मेरा कोई लेना-देना नहीं है, क्योंकि जब टिकट मिला उस समय मैं जेल में था। उन लोगों ने पत्नी श्रीकला को अप्रोच करके टिकट दिया था। इस संबंध में श्रीकला से बातचीत हुई है और आप हमारे पर लग रहे हैं। इसलिए ऐसा लग रहा है कि पहले से कोई मनगढ़ंत कहानी रची गई थी। मुझे डिफेम करने की बात की जा रही है। धनंजय ने कहा कि जिस तरीके से बसपा के नेताओं ने बयान दिए हैं, उससे लग रहा है कि कोई न कोई बात जरूर है। पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने कहा कि बसपा के नए-नए लोग जो बोल रहे हैं उन्हें लगता है जानकारी नहीं है।

केजरीवाल पर आतंकी संगठन से 133 करोड़ लेने के आरोप, LG बोले- NIA जांच हो

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली CM अरविंद केजरीवाल के खिलाफ NIA जांच की सिफारिश की है। उन्होंने कहा है कि केजरीवाल ने बैन किए गए आतंकी संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' से पॉलिटिकल फंडिंग ली है। LG के पास वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव आशू मोंगिया की शिकायत आई थी, जिसमें कहा गया था कि AAP ने 2014 से 2022 के बीच खालिस्तानी आतंकी समूहों से 133 करोड़ रुपए लिए थे, ताकि देवेंद्र पाल भुल्लर की रिहाई कराई जा सके।

यौन शोषण के आरोपी प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस, क्या है ये, किन देशों पर लगा गलत इस्तेमाल का आरोप?

यौन शोषण मामले में घिरे जेडीएस नेता प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी हो चुका. कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ जी परमेश्वर ने यह जानकारी दी. अब इंटरपोल देखेगा कि आरोपी की भारत वापसी कैसे हो. सेक्स स्कैंडल की जांच के लिए एसआईटी भी बन चुकी, जिसने शनिवार को ही रेवन्ना के पिता एचडी रेवन्ना को भी छेड़छाड़ और अपहरण के आरोप में गिरफ्तार किया.

यौन अपराधों के आरोपी कर्नाटक के सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर जानकारी जुटाने के लिए ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया किया. आरोपी के बारे में कहा जा रहा है कि वे डिप्लोमेटिक पासपोर्ट की मदद से जर्मनी जा चुके. लोकसभा चुनाव के ऐन बीच में इस खुलासे से कर्नाटक की राजनीति में भूचाल आया हुआ है. हालांकि माना जा रहा है कि ब्लू कॉर्नर नोटिस के बाद आरोपी की जल्द देश वापसी हो सकेगी और जांच शुरू होगी.

देश करते हैं एक-दूसरे की मदद

आरोपी हफ्तेभर से ज्यादा समय से देश से बाहर है. अब ब्लू कॉर्नर नोटिस के साथ ही ये संभावना बढ़ जाएगी कि जल्द से जल्द इस बात का पता लग सके कि वो कहां हैं. ब्लू कॉर्नर नोटिस निकलने पर खुद दूसरे देशों की पुलिस आरोपी को खोजने में मदद करेगी. इंटरपोल यानी इंटरनेशनल पुलिस की वेबसाइट में लिखा है कि ब्लू कॉर्नर किसी क्राइम से जुड़े शख्स के बारे में पता करने का काम करता है. नोटिस निकलने पर इंटरपोल के सदस्य देश चेक करते हैं कि दूसरे देश का आरोपी कहीं उनके यहां तो ठिकाना नहीं बना चुका

संपादकीय

राजनीतिक दलों को आपराधिक छवि के लोगों को चुनावी मैदान में उतारने से परहेज करने की जरूरत

बृजभूषण शरण सिंह पर बेशक अभी आरोप सिद्ध नहीं हुए हैं, मगर जिस तरह महिला पहलवानों ने उनके खिलाफ साक्ष्य प्रस्तुत किए और जांचों से भी उनके खिलाफ तथ्य सामने आए, उससे उन्हें फिलहाल निरपराध नहीं कहा जा सकता। अब यह उजागर है कि प्रत्याशी के चुनाव में राजनीतिक दलों से साफ-सुथरी छवि का ध्यान रखने की चाहे जितनी अपेक्षा और मांग की जाए, पर उनका मकसद एक ही होता है। वे उसी को उम्मीदवार बनाते हैं, जिसके जीतने की संभावना अधिक होती है, चाहे वह आपराधिक छवि का ही क्यों न हो। माना जा रहा था कि भारतीय जनता पार्टी बृजभूषण शरण सिंह को चुनाव मैदान में नहीं उतारेगी।

इसे लेकर उसमें ऊहापोह भी देखी जा रही थी। मगर लंबी जद्दोजहद के बाद आखिरकार उसने उनकी जगह उनके बेटे करण भूषण सिंह को टिकट दे दिया। बृजभूषण शरण सिंह महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोप में अदालत की सुनवाइयों का सामना कर रहे हैं। उनकी वजह से भाजपा को खासी किरकिरी झेलनी पड़ी। यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय कुश्ती संघ ने भी बृजभूषण शरण सिंह पर अंगुली उठाई थी, जिसके चलते उन्हें कुश्ती महासंघ के चुनाव से अलग रहना पड़ा।

मगर उन्होंने कुश्ती महासंघ पर अपना दबदबा कायम रखने की नीयत से अपने एक करीबी को अध्यक्ष का चुनाव लड़ाया और उसे ही विजय भी मिली। उस पर भी अंगुलियां उठनी शुरू हुईं, तो खेल मंत्रालय को आखिरकार बृजभूषण शरण सिंह के करीबी को अध्यक्ष पद से हटाना पड़ा।

यह समझना मुश्किल है कि भाजपा के सामने ऐसी क्या मजबूरी थी, जो उसने बृजभूषण शरण सिंह से अपना पल्ला छुड़ाना उचित नहीं समझा। उनकी जगह उनके बेटे को टिकट दे दिया। इससे बृजभूषण शरण सिंह को लेकर उठ रहे सवाल शांत नहीं हो जाएंगे। इसके पीछे एक वजह तो यह बताई जाती है कि उत्तर प्रदेश में राजपूत समाज लगातार भाजपा पर आरोप लगा रहा था कि वह राजपूत समाज के प्रत्याशियों का टिकट काट रही है।

दूसरा कारण यह हो सकता है कि बृजभूषण का टिकट कटने से उनके बगावत करने और उस सीट से भाजपा के हारने की आशंका हो सकती थी। मगर इस तरह समझौता करके भाजपा अगर अपनी एक सीट बचा भी ले, तो इससे उसके सिद्धांतों पर सवाल तो उठेंगे ही। लंबे समय से मांग की जा रही है कि राजनीतिक दल अपने प्रत्याशियों का चयन करते हुए उनकी छवि का ध्यान रखें।

निर्वाचन आयोग ने भी कहा था कि राजनीतिक दल आपराधिक छवि के लोगों को चुनावी मैदान में उतारने से परहेज करें। अगर वे किसी ऐसे प्रत्याशी को टिकट देती हैं, तो उन्हें इसका स्पष्टीकरण देना होगा कि आखिर उन्होंने ऐसा क्यों किया, क्या उसकी जगह कोई और प्रत्याशी नहीं मिला। बृजभूषण शरण सिंह की जगह उनके बेटे को टिकट देकर बेशक भाजपा इस जवाबदेही से बच गई है, पर यह तो जाहिर है कि वह चुनाव उनका बेटा नहीं, एक तरह से वे खुद लड़ेंगे।

बृजभूषण शरण सिंह पर बेशक अभी आरोप सिद्ध नहीं हुए हैं, मगर जिस तरह महिला पहलवानों ने उनके खिलाफ साक्ष्य प्रस्तुत किए और जांचों से भी उनके खिलाफ तथ्य सामने आए, उससे उन्हें फिलहाल निरपराध नहीं कहा जा सकता। यह भी छिपी बात नहीं है कि उनके खिलाफ आंदोलन पर उतरी महिला खिलाड़ियों को किस तरह दमन के जरिए आंदोलन से हटाया गया।इन सबको लेकर लगातार सरकार के रवैये पर सवाल उठते रहे हैं। इसके बावजूद उनकी जगह उनके बेटे को टिकट देकर भाजपा ने एक तरह से एक नए विवाद को गले लगा लिया है। इसे लेकर विपक्षी दलों और महिला खिलाड़ियों की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है।

संपादक-
गोपाल गावंडे

राजनीति

शराबबंदी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार को लगाई फटकार, कहा- सभी आरोपितों को क्यों न जमानत दे

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को शराबबंदी मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतों के गठन की खातिर बुनियादी ढांचा तैयार करने में देरी पर बिहार सरकार के प्रति नाराजगी जताई। जस्टिस ने कहा कि आप विशेष अदालत के गठन के लिए सरकारी भवनों को

क्यों नहीं खाली करा लेते हैं?

नई दिल्ली, आइएएनएस। बिहार में शराबबंदी मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतों के गठन की खातिर बुनियादी ढांचा तैयार करने में देरी पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को नाराजगी जताई। कहा कि जब तक बुनियादी ढांचा नहीं बन जाता, तब तक के लिए सभी आरोपितों को जमानत क्यों न दे दी जाए? जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि 2016 में बिहार मद्यनिषेध और उत्पाद अधिनियम बनाया गया था। राज्य सरकार ने विशेष अदालतों के गठन के लिए अबतक जमीन का आवंटन तक नहीं किया है।

पीठ ने राज्य सरकार के वकील से पूछा कि जब तक बुनियादी ढांचे का निर्माण नहीं कर लिया जाता, तब तक के लिए मद्यनिषेध कानून में गिरफ्तार सभी आरोपितों को जमानत पर रिहा क्यों न कर दिया जाए? आप विशेष अदालत के गठन के लिए सरकारी भवनों को क्यों नहीं खाली करा लेते हैं?

लंबित मामलों से न्यायपालिका पर बढ़ता है बोझ- SC

न्यायपालिका पर बोझ डालने वाले लंबित मामलों का हवाला देते हुए पीठ ने कहा कि कानून के तहत 3.78 लाख से अधिक आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं, लेकिन केवल 4,000 से अधिक का ही निस्तारण किया गया है। यही समस्या है। आप न्यायिक ढांचे और समाज पर इसके प्रभाव को देखे बिना ही कानून पारित कर देते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार को एक हफ्ते का समय दिया

अधिनियम की एक धारा का हवाला देते हुए पीठ ने कहा कि जहां तक शराब के सेवन के लिए जुर्माना लगाने का प्रावधान है, यह ठीक है, लेकिन इसका संबंध कार्यकारी मजिस्ट्रेट द्वारा अभियुक्तों को सजा देने की शक्ति से है।इस मामले में एमिकस क्यूरी एडवोकेट गौरव अग्रवाल ने कहा कि पटना उच्च न्यायालय ने कार्यकारी मजिस्ट्रेटों को शक्तियां प्रदान करने के बारे में अपनी आपत्ति व्यक्त की है। इसके बाद पीठ ने राज्य सरकार के वकील को इस मुद्दे पर आवश्यक निर्देश प्राप्त करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि मामले में क्या किया जा सकता है।

युवती ने आत्महत्या का फैसला छोड़ा और कानूनी राह चुनी

प्रेमी ने प्राइवेट फोटो वायरल किए तो सुसाइड करने वाली थी, इसलिए बदला निर्णय

सिरफिरे आशिक से परेशान होकर आत्महत्या के बजाय युवती ने उसे सजा दिलाने की ठानी है। पहले वह वकील की सलाह ली है और पूरी कहानी पुलिस को बताई। ष्ठष्टक्कने काउंसलिंग के बाद एफआईआर के लिए कहा। अब आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। दरअसल, युवती इतनी परेशान थी कि पहले उसने आत्महत्या करने का मन बना लिया था लेकिन उसे लगा कि मरने से कुछ नहीं मिलने वाला..। पूरा परिवार परेशान होगा सो अलग। इसलिए उसने कानूनी लड़ाई लड़ने का फैसला किया है।

हीरानगर पुलिस के मुताबिक एक साल पहले परिचित के यहां शादी अटैंड करने गई थी। यहां सुनील कुशवाह से मुलाकात हुई और दोस्ती हो गई। मोबाइल नंबर भी एक्सचेंज किया गया। कुछ दिन बाद दोस्ती के बाद प्यार होने का प्रपोज किया। युवती ने हां कर दी तो फिर उसने रिलेशन की डिमांड की। एक दिन दबाव देकर रिलेशन बनाए और फोटो-VIDEO बना लिए। इसके बाद फोटो-VIDEO को वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करता गया।

शादी की बात कही तो बोला- रबर की गुड़िया हो..

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि जब अति हो गई तो उसने शादी की बात कही। आरोपी सुनील ने इनकार कर दिया। वह बोला- %तुम रबर की गुड़िया हो, तुम्हें जैसे चाहूं, वैसे रोंदूंगा। बात नहीं मानी तो सोशल मीडिया पर फोटो-VIDEO वायरल कर दूंगा। तू सुसाइड कर लेगी तभी मुझसे पीछा छूटेगा।

जब बार-बार शादी के लिए कहा तो सुनील ने फोटो-ङ्कढ्ढष्ठश्वह्र वायरल कर दिए। परिचित-रिश्तेदारों ने जैसे ही फोटो देखे तो युवती के पास फोन आने लगे। परेशान होकर वह सुसाइड का फैसला किया।

सोशल मीडिया से वकील से संपर्क हुआ

सुसाइड के बजाय किसी तरह उसका संपर्क सोशल मीडिया से परिचित महिला वकील और एक अन्य वकील से हुआ। उसने काउंसलिंग की और जोन-3 के ष्ठष्टक्क पंकज पांडे के पास ले गए। यहां फिर पीड़िता को समझाया और आरोपी सुनील कुशवाह पर केस दर्ज कराने को कहा।

हाई कोर्ट एडवोकेट कृष्ण कुमार कुन्हारे बताया कि पीड़िता और परिवार की काउंसलिंग करके ही पुलिस अफसरों से परामर्श किया गया। आरोपी सुनील कुशवाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई, युवती अब कानूनी लड़ाई के लिए मानसिक रूप से अब तैयार है।

सोती रही पत्नी के सिर पर पत्थर मारकर भागा पति

पत्नी की हालत गंभीर, वेंटिलेटर पर चल रहा इलाज, परिवार बोला चार साल से अलग रह रहे थे

इंदौर के खजराना में एक सिरफिरे पति ने रात में सो रही पत्नी के सिर पर पत्थर से हमला कर दिया। घटना के वक्त बेटी भी साथ सो रही थी। जैसे ही उसके सिर पर पत्थर मारा वह चीख उठी। परिवार के लोग तत्काल उसे लेकर एमवाय अस्पताल पहुंचे। यहां उसकी हालत गंभीर होने के कारण वैंटिलेटर पर रखा गया है।

खजराना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घायल महिला का नाम ममता चौधरी (30) है। रात में वह अपनी 7 साल की बेटी नन्दी के साथ कमरे में सो रही थी। यहां रविवार रात करीब 1 बजे के लगभग पति मोहन चौधरी निवासी बांगड़दा पहुंचा और सिर पर पत्थर मारकर भाग गया।

ममता की चीख सुनकर छोटा भाई महेश और मां पहुंची। वह खून से लथपथ पड़ी थी। उन्हें पति मोहन बाहर की तरफ भागता दिखाई दिया। ममता की हालत देखकर उसे उपचार के लिये तुरंत एमवाय अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों से मिली जानकारी के मुताबिक ममता की हालत गंभीर है। उसे अभी वैंटिलेटर पर रखा गया है। पुलिस मोहन की तलाश कर रही है।

चार साल से चल रहा था विवाद

ममता के भाई शिवनारायण ने बताया कि 8 साल पहले दोनों की शादी हुई थी। शादी के चार साल बाद दोनों में विवाद हुआ। पति आए दिन शराब पीने के चलते ममता के साथ मारपीट करता। इसलिये दोनों बच्चों को लेकर खजराना में आ गए। 15 दिन पहले मोहन घर आया और ममता से विवाद कर कहा कि छोटा बेटा चेतन उसके साथ रहेगा। इस पर वह बेटे को अपने साथ ले गया। वह ममता को अपने साथ रखने के लिये डरा धमका रहा था। लेकिन शराब पीने की आदतों के चलते बहन उसके साथ जाने को राजी नहीं थी

निर्माणाधीन टाउनशिप के स्वीमिंग पूल में डूबा मासूम

पता नजदीक ही काम कर रहे थे, अस्पताल ले जाने से पहले दम तोड़ा

इंदौर के तेजाजी नगर में स्विमिंग पुल में डूबने से डेढ़ साल के बच्चे की मौत हो गई। वह एक निर्माणाधीन टाउनशिप के स्विमिंग पुल के पास खेल रहा था। नजदीक ही उसके माता-पिता भी काम कर रहे थे। साथ में खेल रहे बच्चों ने बताया कि वह पानी में गिर गया। उसके पिता ने उसे तुरंत बाहर निकाला ओर नजदीक के अस्पताल ले गए।

तेजाजी नगर पुलिस के मुताबिक घटना मैरोद माचला की है। यहां गोल्डन टाउनशिप का काम चल रहा है। इस टाउनशिप में स्विमिंग पुल के पास डेढ़ साल का रेहान सेंगर दो बच्चों के साथ रविवार शाम 5 बजे खेल रहा था। इस दौरान वह अंदर गिर गया। दूसरे बच्चों ने पिता अर्जुन को जानकारी दी। वह यहां पहुंचे ओर बेटे रेहान को लेकर नजदीक के अस्पताल पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने एमवाय अस्पताल ले जाने की सलाह दी।

इकलौता बेटा, 15 दिन पहले ही आए इंदौर

रेहान के माता-पिता 15 दिन पहले ही इंदौर काम के सिलसिले में आए हैं। परिवार मूल रूप से बांक टांडा का रहने वाला है। अर्जुन की ढाई साल पहले ही शादी हुई है। रेहान उनका इकलौता बेटा है। परिवार के मुताबिक हादसे के कुछ समय पहले तक रेहान की मां उसके पास ही मौजूद थी। वह बाथरूम जाने का कहकर बेटे को वहां छोड़कर गई थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

प्रॉपर्टी ब्रोकर के घर से मिनटों में 20 लाख के जेवर चुराकर भागा है मक्खी

इंदौर । जूनी इंदौर के फ्लैट से लाखों का सोना और कैश चुराने वाला फैजल उर्फ मक्खी पुलिस को राजस्थान और गुजरात में छका रहा है। वह चंद मिनटों में 20 लाख रुपए का सोना चुराकर भाग निकला था। इसके पहले उसने फ्लैट की रेकी की थी। वारदात के बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से मक्खी की पहचान की और तत्काल उसके घर खजराना पहुंच गई। लेकिन वह चोरी करते ही राजस्थान और वहां से गुजरात भाग निकला।

मक्खी आदतन अपराधी है और वह अकेले ही चोरियां करता है। कुछ दिन पहले शादी के चलते परिवार ने जमानत कराई थी, लेकिन जेल से छूटते ही चोरी करके भाग गया। पुलिस उसे फिलहाल जूनी इंदौर के वृंदावन धाम अपार्टमेंट त्रिवेणी कॉलोनी में रहने वाले लतीश आर्य के यहां चोरी के सिलसिले में तलाश रही है।

लतीश ब्रोकरशिप के साथ प्रोटीन पाउडर बेचने का काम करते हैं। वारदात के समय वह फ्लैट पर ताला लगाकर पत्नी रंजना को लेकर मदरहुड अस्पताल में रिश्तेदार को देखने गए हुए थे। रात 11:45 बजे वह वापस आए तो दरवाजे का ताला टूटा मिला।

इस सनसनीखेज चोरी के मामले में जूनी इंदौर थाने के जवान मौके पर पहुंचे। आसपास की बिल्डिंग के फुटेज निकाले तो खजराना का फैजल उर्फ मक्खी फुटेज में दिखा। पुलिस फुटेज तलाशते हुए उसके घर तक पहुंच गई। जहां घरवालों ने कुछ समय पहले ही उसके घर से जाने की जानकारी दी। फैजल मक्खी की जानकारी पुलिस ने निकाली तो पता चला कि वह कोटा की तरफ भागा है। यहां तक पुलिस पहुंची तो वह जयपुर निकल गया। पुलिस आगे बढ़ी तो उसने गुजरात की तरफ मूवमेंट कर लिया और इसके बाद जूनी इंदौर पुलिस की टीम वापस आ गई। अब पुलिस आरोपी के इंदौर आने का इंतजार कर रही है।

आपको संभालनी होगी निर्विकल्प अवस्था

परम पूज्य माताजी
श्री निर्मला देवी
10 मार्च 1985

यह आप सब लोगों के लिए एक अच्छी खबर है, जो मुझे अवश्य बतानी चाहिए। वह यह है: अब मैं महसूस करती हूँ कि आप सब एक ऐसी अवस्था में हैं, जिसमें मैं जब भी कुछ कहती हूँ, यह आपके ऊपर कार्य करता है।

आप उच्चतर अवस्था तक उन्नत हो चुके हैं। अगर मैं किसी ऐसे उच्चतर विषय के बारे में बात कर रही होती हूँ, तो यह घटित हो जाती है। बेशक, अभी-अभी यह आपके साथ घटित हुआ है, लेकिन आप तब भी कभी-कभी दोबारा से नीचे आ जाते हैं। अतः आपको केवल अपने आप को संभालना है, और यही काम आपको करना है। अभी इस समय, यह वही अवस्था है

जिसमें आप बैठे हुए हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है।
(परमात्मा का साम्राज्य - निर्विकल्प)

यह एक अच्छी बात है। मैं ऐसा उन लोगों के साथ नहीं कर सकती हूँ, जो आत्मसाक्षात्कारी नहीं हैं या जिन्होंने अभी-अभी आत्मसाक्षात्कार लिया है।

लेकिन आप जैसे स्तर वाले लोगों के साथ, मैं इसे कर सकती हूँ और कइयों ने इसे उसी तरह से अवश्य अनुभव किया है कि हम वहाँ उस स्थिति में हैं, पूरी तरह से वहाँ हैं। लेकिन पुनः यह स्थिति नीचे आ जाती है। अतः उस बिंदु पर आप सावधान रहें। अतः यह एक गंभीर बात नहीं है। यह एक अत्यंत प्रसन्नता देने वाली बात है, और खुशी है कि हम सब इसे कर सकते हैं। यह बहुत महान है।

आप नहीं जानते हैं कि जो कुछ भी हम पहले कर चुके हैं, वह बहुत महान कार्य है, और हमें महानतम से भी महानतम काम करने होंगे और यही सब अत्यंत उत्साहवर्धक है।

दाल-चावल के 5 फायदे

अगर आप भी चावल-दाल के शौकीन है तो ये खबर आपके लिए है। ज्यादातर भारतीयों का पसंदीदा और सबसे आराम से बन जाने वाला दाल-चावल वजन कम करने के लिए सबसे अच्छा फूड है। इसके अलावा दाल-चावल खाने से कई और फायदे मिलते हैं। बहुत से लोगों को लगता है कि दाल-चालव खाने से वजन तेजी से बढ़ता है लेकिन ऐसा नहीं है। दाल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट, प्रोटीन और चावल का फाइबर मिलकर वेट लॉस में मददगार होते हैं। यहां जानिए दाल-चावल खाने के 5

1.मांसपेशियां-टिशू रिपेयर का काम
दाल खाने से शाकाहारी लोगों को अच्छी-खासी मात्रा में प्रोटीन मिल जाता है,लेकिन हाई प्रोटीन के लिए तुअर, मूंग या चना दाल ही खाना चाहिए। शरीर में अच्छी मात्रा में प्रोटीन मिलने से मांसपेशियों का निर्माण और टिशू रिपेयर करने में मदद मिलती है। इसके साथ ही स्टीम राइस से गुड कार्ब्स शरीर को मिलते हैं।

2. पोषक तत्वों का खजाना
डाइटिशियन के मुताबिक, एक कप सफेद चावल में रोजाना की जरूरत का 37 प्रतिशत मैंगनीज और 17 परसेंट सेलेनियम होता है। वहीं, 4 बड़े चम्मच अगर दाल ले ली जाए तो उसमें 12 फीसदी मैंगनीज, 8 प्रतिशत आयरन और 20 परसेंट फोलेट शरीर को मिल जाता है। दाल-चावल बी कॉम्प्लेक्स विटामिन के लिए भी अच्छा फूड है।

3. पाचन बनाए जबरदस्त
दाल-चावल दोनों में फाइबर खूब पाया जाता है। इसे खाने से कब्ज जैसी समस्याएं दूर होती हैं। अगर दाल का तड़का हींग और जीरा से लगाया जाए, तो मेटाबॉलिज्म तेज होगा और पाचन काफी मजबूत होगा।

4. संपूर्ण भोजन
दाल में कई तरह के जरूरी अमीनो एसिड पाए जाते हैं,जो सिर्फ खाने से ही मिल सकता है। यही कारण है कि दाल-चावल को संपूर्ण भोजन माना जाता है, क्योंकि इससे ज्यादा अमीनो एसिड मिलता है, जो सेहत के लिए आवश्यक होते हैं।

5. क्रैविंग कंट्रोल करे
दाल-चावल खाने से पेट काफी समय तक भरा-भरा रहता है। इसकी वजह से एक्स्ट्रा कैलोरी से शरीर बच जाता है। इसके साथ ही फाइबर और प्रोटीन की वजह से शरीर का वजन भी कंट्रोल रहता है। इससे वजन बढ़ नहीं पाता है और मोटापे जैसी समस्याएं भी नहीं होती हैं।

गर्मी में सब्जी फ्रेश रखने के उपाय

गर्मियों में अक्सर सब्जियां जल्दी खराब हो जाती हैं। इससे न सिर्फ सब्जियों का स्वाद बिगड़ता है, बल्कि उनके पोषक तत्व भी कम हो जाते हैं। लेकिन, थोड़ी सी सावधानी और कुछ आसान टिप्स को अपनाकर आप गर्मियों में भी अपनी सब्जियों को फ्रेश और ताजा रख सकते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि कैसे आप सब्जियों को सही तरह से स्टोर कर सकते हैं और क्या करें कि उनकी ताजगी लंबे समय तक बनी रहे। चलिए जानते हैं कुछ आसान टिप्स..

सब्जियों को सूखा रखें
सब्जियों को धोने के बाद हमेशा अच्छे से सुखा लें, क्योंकि अगर वे गीली रहेंगी, तो जल्दी खराब हो सकती हैं। इसलिए, उन्हें पूरी तरह से सुखाने के बाद ही फ्रिज में रखें। यह सब्जियों को लंबे समय तक ताजा रखने में मदद करता है।

फ्रिज का सही इस्तेमाल
अपने फ्रिज का तापमान हमेशा 1 से 4 डिग्री सेल्सियस के बीच रखना चाहिए। यह तापमान सब्जियों के लिए बिल्कुल सही होता है और उन्हें ज्यादा दिन तक ताजा रखने में मदद करता है। इस तापमान पर रखने से सब्जियां ना सिर्फ ताजा रहती हैं,बल्कि उनका स्वाद और पोषक तत्व भी बचे रहते हैं। इसलिए, फ्रिज के तापमान को सही सेट करना बहुत जरूरी है, ताकि आपकी सब्जियां हमेशा फ्रेश और स्वादिष्ट बनी रहें।

सब्जियों को खोलकर रखें
सब्जियों को एक-दूसरे के ऊपर मत रखें। उन्हें थोड़ी दूरी पर रखो ताकि हवा अच्छे से उन तक पहुंचे। इससे सब्जियां ज्यादा दिन तक फ्रेश रहेंगी। जब सब्जियां अच्छे से हवा में रहती हैं,तो वे लंबे समय तक अच्छी रहती हैं और उनके स्वाद और पोषक तत्व भी बचे रहते हैं।

अलग-अलग स्टोर करने का तरीका
कुछ सब्जियां जैसे टमाटर और खीरा, फ्रिज में नहीं रखनी चाहिए। इन्हें बेहतर है कि कमरे के तापमान पर रखें। अगर ये सब्जियां बहुत ठंड में रखी जाएं तो ये जल्दी खराब हो सकती हैं।

पेपर टॉवेल का प्रयोग
सब्जियों को पेपर टॉवेल में लपेटें। यह उनसे अतिरिक्त नमी को सोख लेगा और उन्हें लंबे समय तक फ्रेश रखेगा। ये सभी टिप्स आपकी सब्जियों को गर्मियों में भी ताजा रखने में मदद करेंगे। इन्हें अपनाकर आप अपने खाने को हेल्दी और स्वादिष्ट बना सकते हैं।

इसलिए, इन्हें नॉर्मल तापमान पर रखने से ये ज्यादा समय तक ताजा रहेंगी।

मिट्टी के घड़े का पानी हेल्थ के लिए अच्छा

अगर आप घड़े और सुराही का पानी पीते हैं, तो यह जानना जरूरी है कि उनकी सफाई किस तरह से करनी चाहिए। घड़े और सुराही का पानी न सिर्फ ठंडा रहता है बल्कि यह पानी पीने में भी स्वादिष्ट लगता है हालांकि, अगर इनकी सही से सफाई न की जाए तो इससे पानी में कीटाणु बढ़ सकते हैं जो आपको बीमार भी कर सकते हैं...

रोजाना सफाई करें:
हर रोज सुराही या घड़े को खाली करें और गर्म पानी से अच्छी तरह से धोएं। इससे अंदर जमा गंदगी और कीटाणु निकल जाएंगे।

ब्रश का उपयोग करें:
एक लंबे हैंडल वाला ब्रश लें जो घड़े या सुराही के अंदर तक पहुंच सके। इससे अंदर की सतहों को अच्छी तरह से साफ किया जा सकता है।

विनेगर का उपयोग करें:
महीने में एक बार विनेगर और पानी का मिश्रण बनाकर उससे घड़े या सुराही को धोएं। विनेगर कीटाणुनाशक होता है और यह गंध को भी दूर करता है।

बेकिंग सोडा का उपयोग :
एक कटोरी में एक चमच बेकिंग सोडा, एक बड़ा चमच सफेद सिरका और थोड़ा सा नमक मिलाकर एक घोल बना लें। इसे घड़े में डालें और ब्रश से रगड़ें।

गर्मियों में घर सजाने के यूनिक तरीके

गर्मी का मौसम आते ही हम सभी चाहते हैं कि हमारा घर दिखने में फ्रेश और सुंदर रहे, लेकिन हर बार नई चीजें खरीदना और बड़े बजट में घर सजाना संभव नहीं होता। इसलिए, आज हम आपको कुछ ऐसे खास और सस्ते तरीके बताएंगे जिससे आप अपने घर को बहुत ही कम खर्च में खूबसूरत बना सकते हैं। ये तरीके न सिर्फ आसान हैं, बल्कि इनसे आपके घर में एक नई रौनक भी आएगी। चलिए जानते हैं कि आप किस तरह से अपने घर को गर्मियों में सजा

पुरानी चीज़ों का इस्तेमाल
अपने पुराने जार, बोतल और फोटो फ्रेम को नए रंग से पेंट करें। फिर इन्हें घर में अलग-अलग जगहों पर सजा कर रखें। इस सिंपल से तरीके से आपका घर खूबसूरत और नया लगेगा। यह तरीका बहुत ही सस्ता और आसान है, और घर को बहुत ही सुंदर बना देता है।

दीवार पर पेंटिंग
अपने घर की दीवारों पर खुद से पेंटिंग करें। आप फूल, पत्तियां या कोई सिंपल डिजाइन बना सकते हैं। यह काम बहुत ही आसान है और इससे आपके घर की दीवारें और भी सुंदर दिखने लगेंगी। इस सस्ते तरीके से आप अपने घर को नया और खूबसूरत बना सकते हैं।

पौधे लगाएं
अपने घर में कुछ छोटे पौधे लगाएं। ये पौधे न केवल घर की सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि वे हवा को भी साफ करते हैं। यह बहुत ही सस्ता और आसान तरीका है अपने घर को खूबसूरत और ताजगी से भरा रखने का। पौधे लगाने से घर में एक अच्छा माहौल बनता है।

लाइट कलर का इस्तेमाल
घर को सुंदर और ठंडा रखने के लिए हल्के रंग के पर्दे और कपड़े इस्तेमाल करें। ये कपड़े सूरज की तेज रोशनी को कम करते हैं और घर को ठंडा रखते हैं, जिससे आपका घर खूबसूरत और आरामदायक रहता है।

लाइट्स बदलें
अपने घर में छोटी और हल्की लाइट्स लगाएं और इन्हें घर के हर कोने में रखें। ये सिंपल लाइट्स घर में एक खूबसूरत माहौल बनाती हैं। यह तरीका न सिर्फ आसान है,बल्कि बहुत ही सस्ता भी है और इससे आपका घर और भी ज्यादा सुंदर दिखेगा।

खिड़कियों में लगे कांच सफाई के टिप्स

अगर आपके घर की खिड़कियों में लगे कांच या कोई और कांच गंदे और धूल से भरे दिख रहे हैं, तो परेशान न हों। कांच को साफ करना कभी-कभी मुश्किल लग सकता है, खासकर जब वे पुराने और धुंधले नजर आने लगें, लेकिन हम आपको बताएंगे बहुत ही सिंपल और काम के टिप्स, जो आपके कांच को झटपट चमका देंगे, वो भी बस 2 मिनट में। इन आसान उपायों से आपके कांच न केवल साफ हो जाएंगे बल्कि आपका घर भी ज्यादा साफ-सुथरा और खूबसूरत दिखेगा।

सिरका और पानी का मिश्रण
कांच की सफाई के लिए, एक स्प्रे बोतल में सिरका और पानी को समान मात्रा में मिला लें। इस साधारण सफाई समाधान को गंदे कांच पर छिड़कें। इसके बाद, एक साफ माइक्रोफाइबर कपड़े की मदद से हल्के हाथों से पोंछ दे। यह आसान तरीका कांच को बिना किसी खरोंच के साफ कर देती है, जिससे वह फिर से चमकने लगता है।

न्यूजपेपर का प्रयोग
कांच को चमकाने के लिए सिरका और पानी का मिश्रण बनाकर उससे कांच साफ करें। इसके बाद, एक पुराने अखबार का टुकड़ा लेकर कांच पर अच्छे से रगड़ें। ये तरीका कांच को बहुत चमकदार बना देता है।। बस, इतना करने से ही आपके कांच फिर से नए जैसे चमकने लगेंगे।

बेकिंग सोडा का उपयोग
कठिन दागों को हटाने के लिए, बेकिंग सोडा और थोड़े पानी से एक गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। इस पेस्ट को दाग वाले स्थान पर लगाएं और उसे कुछ मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। यह पेस्ट दाग को सोख लेगा। कुछ समय बाद, एक साफ कपड़े से इसे अच्छी तरह साफ कर दें। यह तरीका दागों को आसानी से हटा देगा और आपके कांच को फिर से नई जैसी चमक देगा।

दूध को फटने से बचाने के ट्रिक्स

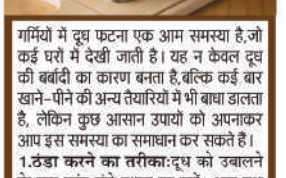

गर्मियों में दूध फटना एक आम समस्या है,जो कई घरों में देखी जाती है। यह न केवल दूध की बर्बादी का कारण बनता है,बल्कि कई बार खाने-पीने की अन्य तैयारियों में भी बाधा डालता है, लेकिन कुछ आसान उपायों को अपनाकर आप इस समस्या का समाधान कर सकते हैं।

1.ठंडा करने का तरीका: दूध को उबालने के बाद तुरंत ठंडे स्थान पर रखें। आप दूध के बर्तन को पानी से भरे बड़े बर्तन में रख सकते हैं ताकि दूध जल्दी ठंडा हो जाए।

2.खाने का सोडा: दूध में थोड़ा सा खाने का सोडा मिलाने से भी दूध फटने की संभावना कम हो जाती है। इसे बहुत कम मात्रा में इस्तेमाल करें।

3.फ्रिज में रखें: गर्मी के दिनों में दूध को जल्दी फ्रिज में रख दें और बाहर निकालने के बाद तुरंत उपयोग करें। यह दूध को ज्यादा देर तक ताजा रखेगा।

हीरामंडी की आलमजेब को सोशल मीडिया पर मिल रहे नेपोटिज्म के ताने, भंसाली की भांजी ने उठाया यह कदम

शर्मिन सहगल हीरामंडी द डायमंड बाजार में आलमजेब की भूमिका में नजर आई हैं। सीरीज में दर्शकों ने उनके किरदार की आलोचना करनी शुरू कर दी है। कुछ यूजर्स दावा कर रहे हैं कि उन्हें यह भूमिका केवल भाई-भतीजावाद के कारण मिली है।

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी द डायमंड बाजार नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। इसे दर्शकों की ओर से मिली जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। यह एक पीरियड ड्रामा सीरीज है, जिसमें कई कलाकारों ने काम किया है। भंसाली की हर एक फिल्म चर्चा में रहती हैं। हीरामंडी- द डायमंड बाजार से उन्होंने वेब सीरीज में डेब्यू किया है। हालांकि, सीरीज की रिलीज के बाद से ही भंसाली की भांजी यानी शर्मिन सहगल ट्रोल्स के निशाने पर बनी हुई हैं। अब अभिनेत्री ने इससे परेशान होकर अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल की पोस्ट के कमेंट सेक्शन को भी डिसेबल कर दिया है।

शर्मिन को मिल रही है आलोचना

शर्मिन सहगल हीरामंडी द डायमंड बाजार में आलमजेब की भूमिका में नजर आई हैं। सीरीज में दर्शकों ने उनके किरदार की आलोचना करनी शुरू कर दी है। कुछ यूजर्स दावा कर रहे हैं कि उन्हें यह भूमिका केवल भाई-भतीजावाद के कारण मिली, क्योंकि वह निर्देशक संजय लीला भंसाली की भांजी हैं। शर्मिन के प्रदर्शन पर ऑनलाइन प्रतिक्रिया उनके लिए कठोर रही है। अभिनेत्री ने इन सब से बचने के लिए अब एक बड़ा कदम भी उठाया है।

इंस्टाग्राम की पोस्ट के कमेंट सेक्शन को किया ऑफ

सोशल मीडिया पर लोगों का कहना है कि शर्मिन सहगल ने आलमजेब की भूमिका के साथ न्याय नहीं किया है। कुछ यूजर्स का कहना है कि ये रोल उन्हें नेपोटिज्म के कारण मिला है। सोशल मीडिया पर मिल रही लगातार आलोचना के कारण अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के कमेंट सेक्शन को बंद कर दिया है। उस पोस्ट में वह संजय लीला भंसाली के साथ दिखाई दे रही हैं और यह तस्वीर लॉस एंजिल्स में सीरीज के प्रीमियर के दौरान की है।

सीरीज को मिल रहा है दर्शकों का प्यार

वेब सीरीज हीरामंडी द डायमंड बाजार एक मई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इस सीरिज में सोनाक्षी सिन्हा, मनीषा कोइराला, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख, शर्मिन सहगल, अदिति राव हैदरी, ताहा शाह बदुशाह, शेखर सुमन और अध्ययन सुमन जैसे कई सितारे अहम भूमिका में नजर आए हैं।

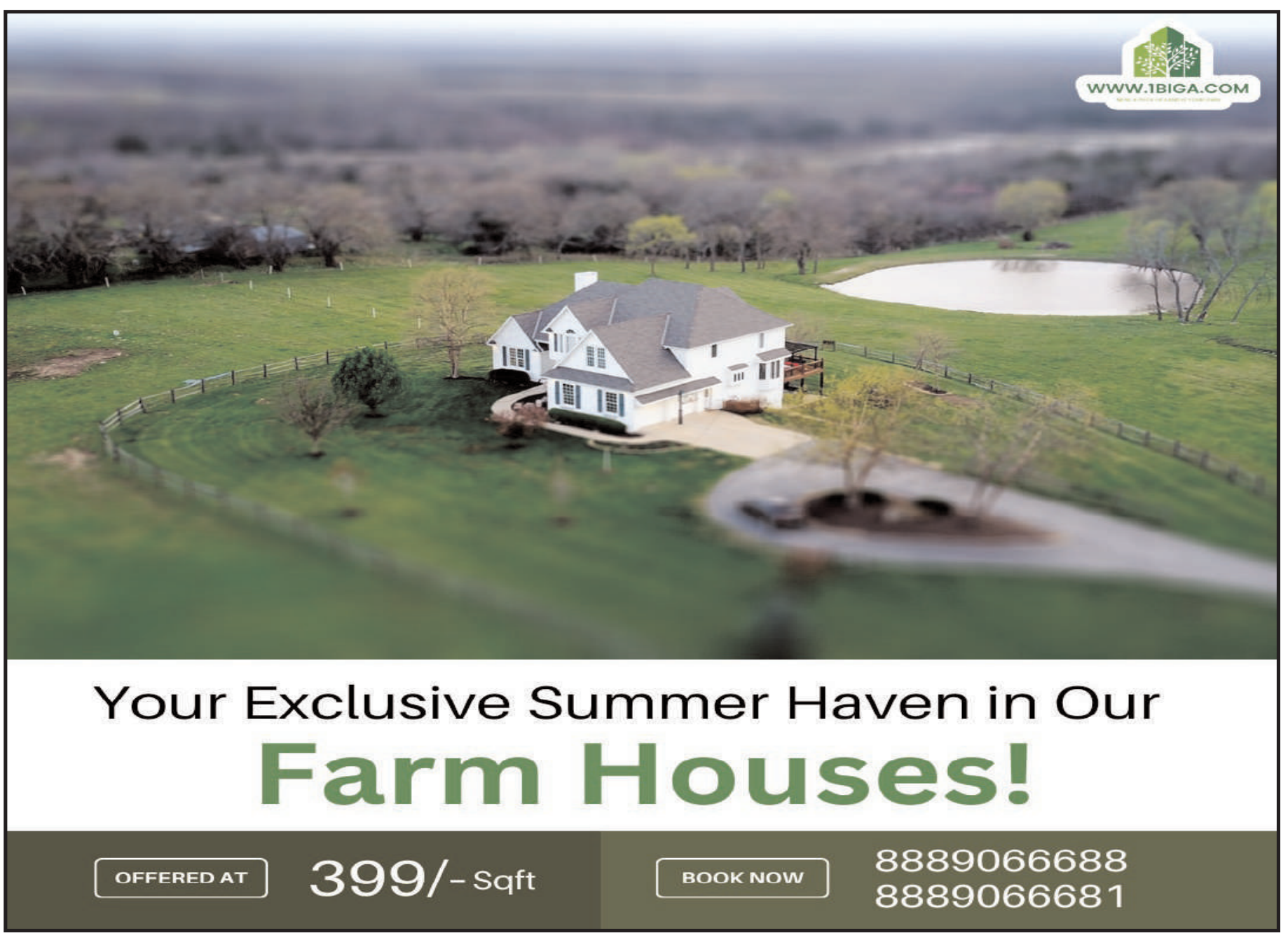

IPL 2024

हैदराबाद पर मुंबई इंडियंस की जीत CSK और LSG के लिए संजीवनी, बदल गया प्लेऑफ का समीकरण

आईपीएल 2024 के पॉइंट टेबल में अंतिम नंबर पर चल रही मुंबई इंडियंस ने प्लेऑफ की रेस में चल रहे सनराइजर्स हैदराबाद को हरा दिया है। मुंबई की इस जीत का सीधा फायदा चेन्नई सुपर किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स को मिला है। इस मैच ने प्लेऑफ की रेस रोचक बना दिया है।

मुंबई- आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस ने वो काम शुरू कर दिया है जो हर साल नीचे रहने रहने वाली टीम करती है। मुंबई ने सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद को झटका दिया है। वानखेड़े स्टेडियम पर पहले गेंदबाजों के कमाल और फिर सूर्यकुमार यादव की तूफानी बैटिंग ने मुंबई इंडियंस को जीत दिलाई। लगातार चार हार के बाद मुंबई को जीत मिली और इसने सनराइजर्स हैदराबाद की परेशानी बढ़ा दी है।

चेन्नई और लखनऊ के लिए खुशखबरी

इस मैच से पहले सनराइजर्स हैदराबाद के 10 मैचों में 12 पॉइंट थे। चेन्नई सुपर किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के 11 मैचों में 12-12 पॉइंट हैं। अब इस हार की वजह से हैदराबाद के भी 11 मैचों में 12 पॉइंट हो गए हैं। राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स ने प्लेऑफ में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है। ऐसे में दो स्थान के लिए मुख्य रूप से हैदराबाद, चेन्नई और लखनऊ के बीच टक्कर है।

दिल्ली कैपिटल्स की राह मुश्किल

पॉइंट टेबल में दिल्ली कैपिटल्स की टीम छठे नंबर पर है। 11 मैचों में टीम के 10 पॉइंट हैं। टीम को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अपने सारे मैच जीतने होंगे। इसके साथ ही उम्मीद करना होगा कि हैदराबाद, चेन्नई और लखनऊ में से दो टीम दो से ज्यादा जीत हासिल नहीं कर सके। ऐसे होता है कि दिल्ली को शायद नेट रनरेट की वजह से प्लेऑफ में जगह मिल जाए। लेकिन इसकी उम्मीद 15 प्रतिशत से भी कम है।

इन चार की उम्मीद लगभग खत्म

मुंबई इंडियंस ने भले ही हैदराबाद के खिलाफ जीत हासिल कर ली हो लेकिन टीम के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद लगभग खत्म हो चुकी है। पंजाब किंग्स, गुजरात टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का भी यही हाल है। इन चारों टीमों के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना 5 प्रतिशत भी नहीं है।

RESIDENTIAL PLOTS
FOR SALE

SATGURU NAGAR
INDORE - KHANDWA ROAD

तुरन्त रजिस्ट्री। तुरन्त पजेशन

PLOT SIZE:-
12*50 = 600, SQFT
15*40= 600SQFT
15*50= 750SQFT
20*50= 1000 SQFT

1111/- SQFT

Book an appointment now:
8889066688, 9109639404

WWW.GATEWAYGHAR.IN

मेंटल हेल्थ को लेकर करवाया एक नेशनल सर्वे

पहली बार जीएमसी में डॉक्टर्स और एमबीबीएस स्टूडेंट्स के लिए रखे जाएंगे काउंसलर, क्योंकि दो सीनियर रेजिडेंट दे चुके जान

अब गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में डॉक्टर्स और एमबीबीएस स्टूडेंट्स की मेंटल हेल्थ सुधारने के लिए दो काउंसलर की नियुक्ति की जाएगी। ये समय-समय पर यहां एमबीबीएस, नर्सिंग, पैरामेडिकल व अन्य कर्मचारियों की काउंसिलिंग करेंगे। इसके लिए जीएमसी ने प्रस्ताव बनाकर चिकित्सा शिक्षा विभाग को भेज दिया है। यह निर्णय इसलिए लिया गया है क्योंकि बीते साल दो सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर्स ने आत्महत्या कर ली थी।

इधर, नेशनल मेडिकल काउंसिल (एनएमसी) ने भी डॉक्टर्स की मेंटल हेल्थ को लेकर एक नेशनल सर्वे करवाया है। इसमें सामने आया कि बीते पांच सालों में देश में मेडिकल की पढ़ाई करते हुए 119 छात्रों ने आत्महत्या कर ली। इनमें से 64 एमबीबीएस स्टूडेंट थे और 55 मेडिकल पीजी की पढ़ाई कर रहे थे। इसके अलावा, 1166 छात्रों ने बीच में ही मेडिकल की पढ़ाई छोड़ दी। देशभर के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में रैगिंग और आत्महत्या के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ये समस्या उन छात्रों में भी देखी जा रही है, जो नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। इसके चलते एनएमसी ने एक एक्शन प्लान भी तैयार किया है।

डॉक्टर्स की कमी को पूरा करने के लिए प्रस्ताव

इधर, हमीदिया अस्पताल के आईसीयू, कार्डियक, पीडियाट्रिक्स विभागों में डाक्टरों की कमी है। भर्ती के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग को प्रस्ताव भेजा है। अभी कार्डियक विभाग में पांच विशेषज्ञ डाक्टरों की जरूरत है। पिछले दो दिनों से नई डीन डॉ. कविता सिंह वार्डों का भ्रमण भी कर रही हैं। इस दौरान चिकित्सकों ने उनसे डाक्टरों की कमी को पूरा करने की मांग की है।

31 मई को सौंपी जाएगी मेंटल हेल्थ सर्वे की डिटेल रिपोर्ट...

देश के मेडिकल छात्रों में अवसाद और आत्महत्या के बढ़ते मामलों को देखते हुए, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने एक टास्क फोर्स बनाया है। इसमें 15 सदस्य हैं। टास्क फोर्स को 31 मई तक एक डिटेल रिपोर्ट सौंपना है।

समिति वहां दौरा करेगी, जहां आत्महत्या के मामले सामने आए हैं...

समिति उन मेडिकल कॉलेजों का दौरा भी करेगी, जहां आत्महत्या की घटनाएं सामने आई हैं। इसका उद्देश्य मेडिकल छात्रों के बीच मेंटल वेल बीईंग को बढ़ावा देने के लिए योग्य सिफारिशें तैयार करना है।

6 दिन में CM का रतलाम जिले में तीसरा दौरा सैलाना व रतलाम ग्रामीण विधानसभा में आज लेंगे आमसभा

रतलाम जिले में लोकसभा चुनाव की वोटिंग चौथे चरण में 13 मई को होना है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 7 मई को रतलाम जिले में आ रहे है। वह रतलाम-झाबुआ-अलीराजपुर लोकसभा क्षेत्र के सैलाना व रतलाम ग्रामीण विधानसभा में चुनावी सभा लेंगे। सीएम का छः दिन में रतलाम जिले में यह तीसरा दौरा है।

रतलाम शहर में चुनावी शोर सुनाई देना लगा है। राजनीतिक दल अपने-अपने तरीके से चुनाव प्रचार-प्रसार में लग गए है। लोकसभा भाजपा प्रत्याशी अनिता नागर सिंह चौहान के समर्थन में सीएम सैलाना विधानसभा क्षेत्र के सरवन और रतलाम ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के बांगरोद में आम सभा को संबोधित करेंगे। सीएम के साथ प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप, वन मंत्री नागर सिंह चौहान, रतलाम ग्रामीण विधायक मथुरालाल डामर, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय रहेंगे। जिला मीडिया प्रभारी अरूण त्रिपाठी ने बताया कि सरवन में सीएम डॉ. यादव की आमसभा दोपहर 1 बजे होगी। इसके बाद वे बांगरोद में दोपहर 2 बजे आमसभा को संबोधित करेंगे।

MP का इकलौता एयरपोर्ट इंदौर रैंकिंग में टॉप 10 से बाहर

10 से बाहर 14 की सूची में 12वें नंबर पर आया; इसकी 5 बड़ी वजह हैं..

स्वच्छता में नंबर 1 इंदौर का एयरपोर्ट ने सर्विस क्वालिटी और मेंटनेंस में बड़ी चूक कर दी है। इसका खामियाजा यह हुआ कि देश में वह टॉप-10 से भी बाहर हो गया है। इंदौर इस सर्वे में शामिल होने वाला मध्य प्रदेश का इकलौता एयरपोर्ट था।

2024 की पहले तिमाही में उसे 12वें नंबर पर रखा है। पिछले साल इंदौर एयरपोर्ट 1 नंबर पर आया था। जिन 31 बिंदुओं पर सर्वे हुआ, उसमें लगभग सभी में एयरपोर्ट की नंबरिंग गिरी है। गोवा का एयरपोर्ट 1 नंबर पर आया है। सर्वे रिपोर्ट हर तिमाही में जारी होती है जिसे जिसे एएसक्यू कहा जाता है। यानी एयरपोर्ट सर्विस क्वालिटी। इसी में इंदौर बुरी तरह पिछड़ रहा है।

बता दें कि 14 एयरपोर्ट की लिस्ट जारी हुई है, जिसमें इंदौर का 12वां नंबर रहा है। एयरपोर्ट अथॉरटी ऑफ इंडिया द्वारा रविवार रात जारी रिपोर्ट से पता चला है कि इंदौर देश का एकमात्र ऐसा रैंकिंग वाला एयरपोर्ट है, जिसके सभी 31 बिंदुओं पर अंक घटे हैं। यही नहीं, सबसे ज्यादा रैटिंग में 0.17 अंकों की गिरावट भी देश में इंदौर की आई है।

5 बड़ी बातें, जिनमें कमजोर होने से गिरी हमारी रैंकिंग

1. चार्जिंग स्टेशनों की उपलब्धता, मनोरंजन और विश्राम के स्थान ठीक नहीं
2. बाथरुम और टॉयलेट की उपलब्धता है लेकिन मेंटनेंस कमजोर
3. उड़ान की जानकारी की लाइव जानकारी लगातार नहीं मिलती
4. रेस्त्रां, बार और कैफे मापक और मूल्यों के अनुकूल नहीं
5. सीमा/पासपोर्ट नियंत्रण पर वेटिंग टाइम कम नहीं हो पाना

सर्विसेस तो बढ़ाई गई लेकिन मैनेजमेंट संभाल नहीं पाया

एयरपोर्ट से जुड़े सूत्रों का मानना है कि पिछले साल इंदौर में प्रवासी भारतीय सम्मेलन और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 आयोजित की गई थी। पांच दिन का यह कार्यक्रम जनवरी में हुआ था। ऐसे में उस दौरान देशी-विदेशी मेहमानों की खातिर के लिहाज से इंदौर एयरपोर्ट पर खास इंतजाम कराए गए थे। सीधे केंद्र सरकार इसमें शामिल थी और बहुत सा अपडेट कराया गया था क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद मेहमाननवाजी का हिस्सा थे। यह अतिरिक्त सुविधाएं मिलीं तो मात्र 3 महीने तक इसे संभाला गया। उसके बाद रैंकिंग फिसलना शुरू हुई थी तो वह ठीक ही नहीं हो पा रही है।

इंदौर एयरपोर्ट का 0.15 अंकों का हुआ है नुकसान

अक्टूबर-दिसंबर 2023 की तिहाही से जनवरी-मार्च 2024 की तिमाही में एयरपोर्ट को सबसे अधिक 0.15 अंकों का नुकसान हुआ है। अब इंदौर एयरपोर्ट से देश के सिर्फ़ अमृतसर और श्रीनगर एयरपोर्ट ही पीछे रह गए हैं। यदि हालात नहीं बदले तो अगली बार इंदौर के लिए और बुरी खबर आ सकती है।

रैंकिंग गिरने पर इंदौर एयरपोर्ट प्रबंधन का कहना है कि इस बार हमारे अंक कम हुए है, इसे हम ठीक करेंगे।

सर्वे में यह अंक मिले है सभी एयरपोर्ट को

देर रात जारी हुई रिपोर्ट के मुताबिक गोवा और चेन्नई एयरपोर्ट को पांच में से 4.90 अंक, त्रिची को 4.89, वाराणसी को 4.88 और रायपुर को 4.87 अंक प्राप्त हुए हैं। इंदौर एयरपोर्ट को 4.74 अंक मिले हैं।

हालांकि, इस बार की सर्वे रिपोर्ट में अधिकतर एयरपोर्ट के अंक कम हुए हैं। लेकिन, कोयंबतूर, पुणे, कालीकट और त्रिंची के अंक बढे हैं। त्रिंची एयरपोर्ट को सबसे अधिक 0.26 अंकों का फायदा हुआ है। इसी से उसकी रैंकिंग में भी उछाल आया है।

इंदौर बीजेपी कार्यालय में देर रात हुई बैठक-स्वच्छता की तरह मतदान में भी पूरे देश में नंबर वन आने की कवायद

रविवार देर रात जावरा कंपाउंड स्थित बीजेपी कार्यालय पर हाईलेवल बैठक हुई। यह बैठक दिल्ली आलाकमान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए ली है। इस बैठक में इंदौर के सभी 9 विधायक, नगर अध्यक्ष, डिप्टी सीएम, सांसद, महापौर और पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन को शामिल किया गया है। वहीं इंदौर के अन्य नेता व पदाधिकारियों को इस बैठक से दूर रखा गया है।

नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे ने कहा कि जैसे स्वच्छता में इंदौर नंबर वन है उसी तरह मतदान में भी नंबर वन हो इसे लेकर चर्चा की गई। इस बैठक के बाद कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा आएगी। सांसद सुमित्रा महाजन ने कहा कि पहले नंबर पर आना है, इसके लिए बैठक रखी गई थी।

उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि बैठक में ज्यादा से ज्यादा मतदान हो इस पर चर्चा की गई। मतदान का प्रतिशत बढ़े इसके प्रयास किए जा रहे हैं। इंदौर की लोकसभा सीट को सबसे ज्यादा वोटों से जीताकर रिकॉर्ड बनाएंगे।

हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया

बोले- किताबों में पूर्वजों की पूजा को भूत-पूजा बताई; धार्मिक भावनाएं भड़काने का केस दर्ज

इंदौर के हीरानगर में हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने रविवार को हंगामा किया। यहां बाबा रामपाल के शिविर में हिंदुओं के धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया है। आरोप लगाया कि जो किताबें बेची जा रही हैं, उसमें आपत्तिजनक बातें लिखी हैं।

हंगामे के बाद पुलिस ने पुस्तक बेचने वालों पर धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ करने और उन्माद फैलाने का केस दर्ज किया है। हीरा नगर पुलिस ने बताया बजरंग दल के जिला संयोजक लोकेश सोलंकी की शिकायत पर धारा 295(), 153() के तहत केस दर्ज किया है।

लोकेश ने बताया वह सूचना पर अपने साथियों के साथ कनकेश्वरी ग्राउंड पहुंचे। यहां देखा कि कुछ लोग किताबें बांट रहे हैं। इसमें देवी देवाताओं और सनातन की

परंपराओं, तीर्थ स्थानों को लेकर आपत्तिजनक बातें लिखी थीं।

ज्ञान गंगा किताब में कई आपत्तिजनक बातें लिखी गई हैं। शिव की पूजा करना और भूत पूजा, पितृ पूजा को मूर्खों की साधना बताया गया है। अन्य भी कई तरह की भ्रामक बातें हैं जिस पर आपत्ति दर्ज कराई गई।

इंदौर में फ्लायओवर से बदलेगी ट्रैफिक की चाल

भंवरकुआं ब्रिज 3 माह में बनेगा, जराना ब्रिज की एक लेन पूरी

भंवरकुआं चौराहा पर बन रहे सिक्स लेन फ्लायओवर के लिए बीच चौराहा पर स्टील गर्डर लॉन्च हो सकेंगे। आर्ट एंड कॉमर्स कॉलेज वाली लेन में गर्डर लॉन्च के लिए मंदिर से रास्ता मिल गया है। गर्डर लॉन्च के लिए सिर्फ शिखर हटाना पड़ेंगे। इसके लिए कलेक्टर ने मंदिर समिति के सदस्य और क्षेत्र के प्रमुख लोगों से चर्चा की थी। रविवार को इसके लिए विधि विधान से पूजा की गई।

एक-दो दिन में काम शुरू हो जाएगा। इसके बाद ब्रिज के समीप दो महीने से लाकर रखे गए स्टील गर्डर लॉन्च हो जाएंगे। गर्डर लॉन्च होने के करीब महीनेभर में ही यह लेन चालू हो जाएगी। वहीं होलकर कॉलेज तरफ की लेन जून में शुरू हो जाएगी। अगले तीन महीने में फ्लायओवर से ट्रैफिक का संचालन शुरू होने का दावा अफसरों ने किया है। इससे हर दिन 2 लाख से ज्यादा वाहनों को फायदा होगा। नौलखा से वाहन रफ्तार पकड़ेंगे तो सीधे राजीव गांधी प्रतिमा तक सिग्नल नहीं मिलेंगे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)